व्यावहारकि नीतशिास्त्र

व्यावहारिक नीतिशास्त्र

1. क्या है?

- अन्य सामाजिक विज्ञानों के समान नीतिशास्त्र के भी दो पक्ष हैं– सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक। अपने सैद्धांतिक विवेचन में नीतिशास्त्र निश्चित रूप से सैद्धांतिक है, परंतु जहाँ तक उन सिद्धांतों को मानव जीवन में स्थापित करने का लक्ष्य है वहाँ व्यावहारिक पक्ष उभरकर आता है।
- आज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों– चिकित्सा, पर्यावरण, व्यापार, पत्रकारिता आदि में नैतिक प्रतिमानों तथा सिद्धांतों के आधार पर व्यवहार का मूल्यांकन किया जाता है।

2. चिकित्सा नीतिशास्त्र (Medical Ethics)

इस शाखा के अंतर्गत हम चिकित्सा प्रणाली एवं चिकित्सकों के व्यवहार से जुड़े मुद्दों का नैतिक मूल्यांकन करते हैं।

- इसमें मुख्यत: चिकित्सकों के चिकित्सा व्यवहार (Medical Practices) का नैतिक मूल्यांकन किया जाता है तथा उनके कार्यों को नैतिक संदर्भ में ही उचित या अनुचित समझा जाता है।
- चिकित्सकों के लिये एक आचार संहिता (Code of Ethics) भी होती है तथा उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे उल्लिखित नियमों का पालन करें।

3. पर्यावरणीय नैतिक्ता (Environmental Ethics)

हम मनुष्य तथा पर्यावरण के आपसी संबंधों का नैतिकता के सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों के आलोक में अध्ययन करते हैं। इसमें मुख्य रूप से मनुष्य के उन क्रियाकलापों का नैतिक आधार पर मूल्यांकन किया जाता है जिनसे पर्यावरण प्रभावित होता है।

- आज पर्यावरण के संबंध में विभिन्न विचारधाराओं एवं सिद्धांतों में द्वंद्व है, जहाँ स्वार्थवाद, सुखवाद, मार्क्सवाद, व्यवहारवाद (Pragmatism) जैसे मानव केंद्रित (Anthropocentric), दार्शनिक विचार प्रकृति को महज मानव हित साधने का उपकरण मानते हैं तथा प्रकृति के अनियंत्रित दोहन को वैचारिक आधार देने का प्रयास करते हैं।
- वहीं परिणाम निरपेक्षवाद (Deontology), गुण नैतिकता (Virthc Ethics) तथा गांधीवाद जैसे दार्शनिक विचार प्रकृति में निहित आंतरिक मूल्यों का सम्मान करने के साथ उनका संरक्षण करने अन्यथा दुष्परिणाम भुगतने के लिये तैयार रहने की सीख देते हैं।
- इन परस्पर विरोधी विचारधाराओं के मध्य का द्वंद्व ही पर्यावरणीय नैतिकता का कार्य क्षेत्र है।

4. व्यापार नैतिक्ता (Business Ethics)

व्यापार नैतिकता व्यावहारिक नीतिशास्त्र (Applied Ethics) की वह शाखा है जिसके अंतर्गत किसी व्यापार प्रतिष्ठान (Business Establishment) या कॉरपोरेट प्रतिष्ठान के व्यापारिक कार्यकलापों, प्रक्रियाओं, निर्णयों तथा अपने कर्मचारियों एवं उपभोक्ताओं से संबंधों का नैतिक मूल्यों तथा सिद्धांतों के धरातल पर मूल्यांकन और उनसे जुड़े विभिन्न नैतिक मुद्दों का अध्ययन किया जाता है।

5. खेल नैतिक्ता (Sport's Ethics)

- खेल नैतिकता के अंतर्गत विभिन्न नैतिक नियमों एवं सिद्धांतों के आलोक में खेल के नियमों, खिलाड़ियों के व्यवहार, प्रशिक्षकों के आचरण व विभिन्न खेल संगठनों के नियम-विनियमों का अध्ययन करते हैं।
- खेलों में नैतिकता की आवश्यकता ने ही खेल नैतिकता की अवधारणा को जन्म दिया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vyavharik-nitishastra